Raj Express (Indore), 03rd July 2024, Page - 04

स्वास्थ्य सुविधा

रोग के प्रारंभिक चरण का पता लगाने जांच के लिए एक किट पर पेटेंट प्रदान किया गया

अब संभव है वायरस से होने वाले अल्जाइमर की प्रारंभिक जांच

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

वायरस से होने वाले अल्जाइमर की प्रारंभिक जांच अब संभव है। आईआईटी इंदौर को 20 साल की अवधि के लिए एपस्टीन-बार वायरस से होने वाले अल्जाइमर रोग के प्रारंभिक चरण का पता लगाने की जांच के लिए एक किट पर पेटेंट प्रदान किया गया है। यह खोज उन लोगों की स्क्रीनिंग के लिए उपयोगी होगी जो वायरस से होने वाले अल्जाइमर रोग से ग्रस्त हो सकते हैं या इसके शिकार हो सकते हैं। यह किट वायरल काउंटरपार्ट की प्राइमर-आधारित पहचान के साथ-साथ स्क्रीनिंग के लिए विशिष्ट वायरल पेप्टाइड से प्रेरित एंटीबॉडी-आधारित जांच का उपयोग करती है।

उभरती स्वास्थ्य सेवा आवश्यकताओं को करेंगे पूरा

वर्तमान कार्य का नेतृत्व डॉ. हेमचंद्र झा, एसोसिएट प्रोफेसर, बायोसाइंसेज और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग आईआईटी इंदौर की ओर से किया जा रहा है। साथ ही, लेखकों में दीक्षा तिवारी व अन्नू रानी भी शामिल हैं। संस्थान अब इस किट के व्यवसायीकरण पर काम कर रहा है जो उभरती हुई स्वास्थ्य सेवा आवश्यकताओं को पूरा करेगा। यह परियोजना वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सीएसआईआर) द्वारा वित्त पोषित है।

इलाज की रणनीति में होगा सुधार

वर्तमान में इन जटिल तंत्रिका संबंधी विकारों के लिए कोई स्क्रीनिंग विधि उपलब्ध नहीं है। यह रोग धीरे-धीरे बढ़ता है, इसलिए इसका उपचार कठिन हो जाता है और एक बार इसका रूप गंभीर हो जाने पर इसका पूर्ण रूप से उपचार संभव नहीं होता। प्रारंभिक अवस्था में वायरस से होने वाली बीमारी की जांच या पहचान करना रोगियों के लिए अत्यधिक लाभकारी होगा और साथ ही अल्जाइमर के इलाज की रणनीति में भी सुधार होगा। प्रारंभिक अवस्था में वायरस से होने वाली बीमारी की जांच या पहचान करना रोगियों के लिए अत्यधिक लाभकारी होगा और साथ ही अल्जाइमर के इलाज के तरीके में भी सुधार होगा।